AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शैव दर्शन व सौंदर्य शास्त्र पर होगी पीएचडी

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त शोध संस्थान ने शुरू की कवायद, पीजी में डिप्लोमा की भी तैयारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का अभिनव गुप्त शोध संस्थान नए सत्र 2021-22 से शैव दर्शन, सौंदर्य शास्त्र, तंत्रागम आदि विषयों में पीएचडी कराने के साथ ही दो पीजी डिप्लोमा कोर्स भी शुरू करेगा। संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग के साथ अभिनव गुप्त शोध संस्थान के लिए पीएचडी की सीटें भी निर्धारित की जा चुकी हैं। साथ ही शासन द्वारा यहां शिक्षकों के भी पद स्वीकृत किए जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय में नए सत्र के लिए यूजी व पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसके तहत उक्त कवायद को भी पूरा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त शोध संस्थान की स्थापना यूं तो काफी पहले हो चुकी थी, किंतु इसका अपना भवन न होने से दिक्कत आ रही थी। इसी क्रम में पिछले दिनों बजट व शिक्षकों के पद भी शासन द्वारा स्वीकृत किए गए थे, जिस पर कवायद तेजी से शुरू हुई। डीन कला संकाय व निदेशक प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि इस बार शोध संस्थान में पीएचडी की सीटें अलग से निर्धारित की गई हैं, जिसमें अभिनव गुप्त के प्रमुख विषयों शैव दर्शन, सौंदर्य शास्त्र, तंत्रागम, नाट्य शास्त्र आदि पर पीएचडी करवाएंगे। साथ ही तंत्रागम, सौंदर्य शास्त्र, संस्कृत रंगमंच पर पीजी डिप्लोमा भी कराएंगे, जिसमें 20-20 सीटें प्रस्तावित की गई हैं। सभी प्रमुख बॉडी से इसे पास करा दिया गया है। विवि की पीजी प्रवेश प्रक्रिया के साथ इसके लिए भी आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी।

नए सेमेस्टर से पहले भरे जाएंगे अस्थायी शिक्षकों के पद

लखनऊ विश्वविद्यालय विषम सेमेस्टर की परीक्षा के बाद शुरू होने वाले नए सेमेस्टर से पहले सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में शिक्षकों की कमी दूर करने में जुट गया है। विश्वविद्यालय की ओर से इस महीने के अंत तक 180 से अधिक शिक्षकों के खाली पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की कवायद तेज कर दी गई है। विश्वविद्यालय में बीटेक, एमबीए, लॉ आदि कई स्ववित्तपोषित कोर्स चलते हैं, जिसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से संविदा शिक्षकों के लिए आवेदन मांगे गए थे। उक्त के सापेक्ष लगभग 2000 आवेदन आए हैं, जिनकी विभाग स्तर पर स्क्रीनिंग का काम आखिरी चरण में है। पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर जल्द ही इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। कवायद यह है कि नए सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू होने से पहले इनकी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाए ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो। साथ ही लगभग इतने ही स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है, जिसे जुलाई से पहले पूरा करने का लक्ष्य है।

दो करोड़ से तीन मंजिला नया भवन तैयार

निदेशक प्रो. शुक्ला ने बताया पिछले दो साल से बन रहा तीन मंजिला भवन बनकर तैयार हो गया है, जिसमें लाइब्रेरी, सेमिनार हॉल, आधा दर्जन क्लास रूम व निदेशक कार्यालय का निर्माण किया गया है। इसका 23 मार्च को उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा विधिवत उद्घाटन करेंगे। साथ ही संस्थान की ओर से 'संस्कृत वांग्मय में शिव तत्व विमर्श : प्रतिवज्ञा दर्शन के परिप्रेक्ष्य में' विषयक दो दिवसीय सेमिनार का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसका 23 को उद्घाटन होगा।

इमर्जिंग मैटेरियल्स पर सम्मेलन आज से

लखनऊ। लखनऊ विवि के भौतिकी विज्ञान विभाग की ओर से 14-15 मार्च को 'डायवर्स इमर्जिंग मैटेरियल्स एंड दियर एप्लीकेशंस' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। संगोष्ठी संयोजक भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे और एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. प्रफुल्ल के झा मुख्य अतिथि होंगे। सम्मेलन में वडोदरा, वाराणसी, इलाहाबाद, दिल्ली, मेरठ, पटना, रुड़की, नोएडा और लखनऊ के विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। एक पोस्टर सत्र का भी आयोजन किया जाएगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में नये विषयों में शुरू होगी पीएचडी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त संस्थान में आगामी सत्र से छात्र-छात्राएं संस्कृत शैवदर्शन, सौंदर्य शास्त्र, नाट्य शास्त्र और तंत्रागम विषय में पीएचडी में दाखिले ले सकेंगे।

इसके अलावा सौंदर्य शास्त्र एवं संस्कृत रंगमंच विषय में डिप्लोमा कोर्स में भी प्रवेश लिया जा सकेगा। इसके लिए

● देश में अभी तक कहीं नहीं हैं ये कोर्स

संस्थान का नया भवन बनकर तैयार है। इसका 23 मार्च को उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा करेंगे। इसको लेकर तैयारी शुरू हो गयी है।

विश्वविद्यालय के न्यू कामर्स विभाग के पास अभिनव गुप्त संस्थान का पुराना भवन बना था। पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह के कार्यकाल में नये सत्र को मंजूरी मिल गयी थी। कला संकाय अध्यक्ष प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि संस्थान का भवन बनकर तैयार हो गया है। 23 मार्च को दोपहर 12 बजे उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा इसका उद्घाटन करेंगे। 24 मार्च को व्याख्यान का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक एमए संस्कृत में शैव दर्शन और सौंदर्य शास्त्र का एक-एक पेपर शामिल था। अब इन दोनों विषयों का अलग कोर्स तैयार किया गया है, जिससे छात्र इसके बारे में ठीक से जान सकें। साथ ही इन कोर्सों में पीएचडी भी शुरू कर सकेंगे। उनका दावा है कि अभी तक भारत में कहीं भी इन कोर्सों में पीएचडी नहीं करायी जा रही है। अभिनव गुप्त संस्थान का नया भवन 2.69 करोड़ की लागत से बनाया गया है। तीन मंजिल के इस भवन में लाइब्रेरी, कई बड़े क्लास रूम तथा हाल की सुविधा होगी। भवन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी पूरी होने वाली है।

THE PIONEER PAGE 3

2-day ICDEMA to kick off at LU today

Lucknow (PNS): The department of Physics, University of Lucknow, under DST-PURSE scheme, is organising an international conference on diverse emerging materials and their applications (ICDEMA-2021) on March 14 and 15. The conference is being organised under head of Physics department Prof Poonam Tandon, who is also the chairperson of the conference, while the convener is Prof Balak Das.

Prof Tandon said that the first day of the conference will be marked by physical presence of the participants while the second day will be online. "At LU, it is the first conference since Covid-19 outbreak in which delegates from seven different states are coming to actively participate in offline and online deliberations. Recognised researchers and scientists from India and abroad will be delivering lectures in academic sessions," she said.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai will deliver presidential address while Prof Prafulla K Jha from MS University (Vadodara) will be the chief guest at the inaugural. The experts coming to deliver lectures on recent development in the area of materials science will be from Vadodara, Varanasi, Allahabad, New Delhi, Meerut, Patna, Roorkee, Noida and Lucknow.

"In addition, 14 invited lectures by eminent researchers in the area of materials science as well as six by young scientists will be delivered in the academic sessions. A poster session will also be organised to showcase the research instinct of the younger generation in several areas of materials science," she said.

HINDUSTAN PAGE 8

विश्वविद्यालय होली से पहले नियुक्ति के लिए साक्षात्कार शुरू करने की तैयारी में

एलयू: जल्द मिलेंगे अस्थाई शिक्षक

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में बहुत जल्द अस्थाई शिक्षकों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार शुरू हो जाएंगे। जिससे सेल्फ फाइनेंस कोर्स चलाने वाले विभागों के नियमित कोर्स में भी शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन होली से पहले शिक्षकों के अस्थायी पदों पर साक्षात्कार शुरू करने की तैयारी में लगा हुआ है। जल्द ही पात्र अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी करने के बाद साक्षात्कार के लिए बुलावा पत्र भेजे जाएंगे। लविवि के इंजीनियरिंग, लॉ, कामर्स और आइएमएस जैसे कई ऐसे सेल्फ फाइनेंस कोर्स हैं जहां शिक्षकों की भारी कमी है। एलयू ने 185 अस्थायी (संविदा) शिक्षकों के पदों के लिए 27 अक्तूबर से एक दिसंबर तक आवेदन लिए थे। इनमें करीब 2080 लोगों ने आवेदन किया था।

स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति में लगेगा समय

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष शिक्षकों के 180 स्थायी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पदों पर आवेदन लिए गए। लगभग 5080 आवेदन पत्र आए थे। कुलपति प्रो आलोक राय ने बताया कि स्थाई शिक्षकों के इंटरव्यू के लिए राजभवन से विशेषज्ञों के पैनल का अनुमोदन लिया जाएगा। उसके बाद साक्षात्कार किए जाएंगे। कुल मिलाकर इस प्रक्रिया में समय लगने की पूरी संभावना है।

इन विभागों में एक भी नियमित शिक्षक नहीं

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल, होम साइंस जैसे विभागों में एक भी नियमित शिक्षक नहीं हैं। ये पाठ्यक्रम स्ववित्तपोषित हैं इसलिए इनकी फीस भी महंगी है। एलयू लोकप्रिय और रोजगारपरक विभागों में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर रहा है। इस वजह से विद्यार्थी महंगी फीस पर भी अनुबंध के शिक्षकों के सहारे पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

अभिनव संस्थान: इस साल से संस्कृत, शैवदर्शन, सौंदर्यशास्त्र, नाट्य शास्त्र और तंत्रागम में पीएचडी

एलयू के अभिनव गुप्त संस्थान की इमारत तैयार है। जिसका उद्घाटन आगामी 23 मार्च को उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा करेंगे। इस सत्र से छात्र-छात्राएं संस्कृत शैवदर्शन, सौंदर्य शास्त्र, नाट्य शास्त्र और तंत्रागम विषय में पीएचडी में दाखिले ले सकेंगे। इसके अलावा सौंदर्य शास्त्र एवं संस्कृत रंगमंच विषय में डिप्लोमा कोर्स भी शुरू होगा। न्यू कामर्स विभाग के पास अभिनव गुप्त संस्थान का पुराना भवन था, अब नया भवन तैयार है। नया भवन 2.69 करोड़ से बना है। तीन मंजिल के इस भवन में लाइब्रेरी, कई बड़े क्लासरूम, हाल की सुविधा रहेगी। भवन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी पूरी होने वाली है। कला संकायध्यक्ष प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि संस्थान का भवन बनकर तैयार हो गया है। 23 मार्च को भवन का उद्घाटन होगा।

भौतिकी विभाग में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन रविवार को किया जाएगा। 14 और 15 मार्च को आयोजित दो दिवसीय इस सम्मेलन की अध्यक्षता प्रो पूनम टंडन करेंगी। उन्होंने बताया कि यह अपनी तरह का पहला हाइब्रिड सम्मेलन है, जिसमें सम्मेलन का पहला दिन ऑफलाइन मोड में और दूसरा, अंतिम दिन ऑनलाइन तरीके से आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में कोविड महामारी के बाद यह पहला सम्मेलन है जिसमें सात विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि आ रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शोधकर्ताओं व देश-विदेश के वैज्ञानिकों के बीच शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देने होंगे।

i-NEXT PAGE 4

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (13 March): लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से 14 और 15 मार्च को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. डायवर्स इमर्जिंग मैटीरियल्स एंड देयर एप्लीकेशन विषय पर आधारित इस सम्मेलन में सात राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे. सम्मेलन की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पहला दिन आफलाइन और दूसरे दिन आनलाइन सम्मेलन होगा. इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शोधकर्ताओं के साथ भारत और विदेशों के वैज्ञानिक भी शामिल होंगे. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सम्मेलन में अध्यक्षीय भाषण देंगे. मुख्य अतिथि के रूप में एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा से प्रो. प्रफुल्ल के झा शामिल होंगे.

TOI PAGE 6

PhD in occult, Shaiva philosophy at LU soon

Paper On Shaivism At PG Level

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Abhinavagupt Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy under Lucknow University's Sanskrit department will offer PhD on 'Tantraagam'—the academic and philosophical derivations of the occult and Shaiva philosophy, a major work of 10th century Kashmiri philosopher Abhinavgupta.

The institute will also offer diploma courses in aesthetics and 'natyasastra' (an ancient treatise on dramaturgy). The postgraduates in Sanskrit will be able to pursue the PhD and diploma courses. "We are introducing a full-fledged paper on Shaiva philosophy and aesthetics at postgraduation level in our MA (Sanskrit) course and will be conducting doctoral studies in Sanskrit on the topic of Tantraagam and Kashmiri Shaiva philosophy from this session," said Dean Brijesh Shukla.

He said the subject is taught in a few universities like a degree in Tantraagam is awarded in Banaras Hindu University.

Shukla said a total of 16 PhD seats are there in Sanskrit of which five seats will be under the Shaiva school under which the research will be held on these two topics.

The institute will also offer diploma courses in aesthetics and 'natyasastra' (an ancient treatise on dramaturgy)

"Acharya Abhinavagupta, who studied all the schools of philosophy, is known for 'Tantraloka', an encyclopedic treatise on all the philosophical and practical aspects of Trika and Kaula (known today as Kashmir Shaivism). So, research on major works of Abhinavgupta will be conducted," he said.

The institute was founded on August 5, 1968, by Prof KC Pandey, an expert in Shaivism deeply influenced by the writings of Abhinavgupta, and produced many scholars in the 80s and 90s, but gradually became defunct due to retirement of teachers and dearth of suitable candidates for the job. The institute has been revamped with help of government grants.